सामान्य अध्ययन (टेस्ट - V)

GENERAL STUDIES (Test - V)

मॉड्यूल - V / Module - V

DTVF/17–M–**GS5**

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

नाम (Name): Chetan kumar meena

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? हाँ ✓ नहीं

मोबाइल न. (Mobile No.):

ई-मेल पता (E-mail address):

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): 05 $ 07/09/17

रोल न. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2017] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2017]:

0	2	5	4	8	0	8

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): Hindi

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): Chetan

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

Evaluation Analysis

MARKS: 58 /250

Introduction	Context	Language	Content	Conclusion	Structure	Current Link / Examples
B	C	C	C	B	C	B

Copyright – Drishti The Vision Foundation

व्यापक विश्लेषण / Macro Analysis

- सभी प्रश्नों को हल कीजिए।
- प्रमाणित व प्रासंगिक तथ्यों व तर्कों का प्रयोग कीजिए।
- सटीक, सारगर्भित, स्पष्ट, सरल व संक्षिप्त उत्तर लिखिए।
- शब्द सीमा - शाब्दिक गलतियों पर ध्यान दीजिए।

Grade Card	
Grade 'A'	Very Good
Grade 'B'	Good
Grade 'C'	Satisfactory
Grade 'D'	Poor

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

1. "प्रतिस्पर्द्धात्मक संघवाद यद्यपि निवेश और प्रतिभा को आकर्षित करने के संबंध में परिवर्तन का शक्तिशाली एजेंट होता है, परंतु अनिवार्य सेवाओं की डिलीवरी के संबंध में यह अपेक्षाकृत कमज़ोर रहा है।" भारतीय राज्यों के संदर्भ में उक्त कथन की व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"Although the competitive federalism is a powerful agent of change in relation to attracting investment and talent but with regard to the delivery of essential services it has been comparatively weak." Explain the statement given above with reference to the Indian states. (250 words) 12.5

प्रतिस्पर्धात्मक संघवाद से तात्पर्य ऐसी संघीय व्यवस्था से है जहाँ राज्य आपस में तथा केन्द्र से आर्थिक क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा करें।

प्रतिस्पर्धात्मक संघवाद निवेश व प्रतिस्पर्धा को आकर्षित करने के सक्षम है, क्योंकि

(1) नीति आयोग की स्थापना के साथ ही राज्य नीति आयोग से तकनीकी मदद लेकर अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाएँ तैयार कर रहे हैं। उदाहरण के लिए राजस्थान, गुजरात ने श्रम सुधार हेतु अधिनियमों में संशोधन किए हैं।

(2) निवेश आकर्षित करने के लिए राज्य

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

अपनी प्रक्रियाओं को सरल बना रहे हैं। राजस्थान का रिसर्जेंट राजस्थान, गुजरात का वाइब्रेंट गुजरात, प. बंगाल व मध्यप्रदेश आदि द्वारा निवेश आकर्षण हेतु सम्मेलन बुलाना, निवेश समझौते करना व प्रक्रियाओं को सरल बनाना।

(3) नीति आयोग ने स्वच्छता, शिक्षा, कृषि एवं जल प्रबंधन पर राज्यों के प्रदर्शन आकलन हेतु सूचकांक जारी किए हैं जिससे राज्यों में सुधारों को लेकर प्रतिस्पर्धा बढ़ी है।

(4) राज्यों की व्यापार को आसान बनाने को लेकर डीआईपीपी विश्वबैंक से मिलकर रैंकिंग तैयार करता है।

यह स्पष्ट है कि स्मार्ट सिटी, निवेश आकर्षण, श्रम सुधार को लेकर राज्यों में प्रतिस्पर्धा बढ़ी है, किन्तु शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, कृषि सुधारों को लेकर अधिक

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कृषि नजर नहीं आती, क्योंकि-

(a) राज्यों की राजकोषीय स्थिति खराब है तथा निजी निवेश इन क्षेत्रों में नहीं आ रहा है।

(b) राजकोषीय अनुशासन की समस्या- कृषि ऋण माफी के कारण अन्य क्षेत्रों पर निवेश राशि कम हुई है।

(c) कमजोर एवं पिछड़े राज्यों में सुशासन एवं अवसंरचनात्मक कमजोरी उन्हें कम प्रतिस्पर्धी बना रही है।

स्पष्ट है कि जिस प्रकार अमेरिकी संघ में राज्य आर्थिक क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा करते हैं, वैसे ही जरूरत भारतीय राज्यों की है, लेकिन राजनीतिक टकरावों, राजकोषीय अनुशासन, प्रशासनिक खर्च व सुधारों को लगातार समर्थन देने की आवश्यकता है इस संदर्भ में राज्यों को केन्द्र के साथ 'टीम' के रूप में कार्य करने की जरूरत है।

3

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	1	0.25	0.25	0.25	✓
Grade	B	C	C	C	B	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

5. "परिचालन में नकदी का अनुपात बढ़ने से भ्रष्टाचार के मामलों में भी इजाफा होता है।" पारदर्शिता अंतर्राष्ट्रीय (Transparency International) द्वारा किये गए इस आकलन की भारतीय अर्थव्यवस्था में हुए हालिया विमुद्रीकरण के संदर्भ में पुष्टि कीजियें। (250 शब्द) 12.5

"Increased ratio of cash in circulation also increases corruption related cases." Substantiate this assessment conducted by transparency international in the context of recent demonetization in the Indian economy. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल भ्रष्टाचार के संदर्भ में देशों की रैंकिंग तय करती है। गौरतलब है कि पिछले 3-4 वर्षों से भारत की स्थिति में लगातार सुधार हुआ है।

भारत में भ्रष्टाचार का मुख्य कारण कालाधन रहा है, जिसके पीछे प्रशासनिक भ्रष्टाचार, कर चोरी, धन शोधन, अवैध प्रक्रियाएँ आदि कारण रहे हैं। ~~हालिया~~ 8 नवंबर को भ्रष्टाचार को कम करने, जालसाजी रोकने, आतंकियों के वित्तीय नेटवर्क को ध्वस्त करने व कालाधन कम करने के लिए आक्रामक आर्थिक नीति के तहत विमुद्रीकरण किया है इससे ~~परिचालन~~ परिचालन में रहे 86% नकदी को वापस आरबीआई ने लिया, जिसके कारण

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भ्रष्टाचार कम होने की संभावना है, क्योंकि-

(1) नकदी का लेन देन सुगम होता है, इसे छिपाना आसान होता है अत: इसका प्रयोग रियल एस्टेट, सोना खरीदने व धनशोधन में बहुतायत में किया जाता है।

(2) अधिक नकदी की निगरानी रख पाना संभव नही होता अत: भ्रष्ट गतिविधियों में इसका प्रयोग अनौपचारिक तरीके से किया जाता है।

(3) नकदी धन की बडी मात्रा प्रचालन व औपचारिक बैंकिंग प्रक्रिया के बाहर होती है, अत: यह एक समानान्तर अर्थव्यवस्था को जन्म देती है।

(4) नकदी के कारण जाली नोट, आतंकी फंडिंग, अवैध तस्करी, ड्रग तस्करी जैसे अनैतिक कार्यों में किया जाता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

स्पष्ट है कि विमुद्रीकरण का प्रमुख लक्ष्य भ्रष्टाचार व कालेधन को कम करने हेतु नकदी में कमी लाना था, जिसके लिए अर्थव्यवस्था को लेसकैश व अंततः कैशलेस बनाने का प्रयास किया जा रहा है, इस हेतु - GST अधिनियम, डिजिधन व्यापार योजना, लकी ग्राहक योजना, स्वैच्छिक आयघोषणा, भीम एप, यूपीआई, जनधन योजना आदि पहलें महत्वपूर्ण हैं; ताकि अधिकतम धन को ऑनलाइन तंत्र में लाकर उसे विनियमित किया जा सके।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	-	-	0.5	0.25	-		✓
Grade	-	-	Q	C	-	-	

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

3. "न्यायसंगत समाज में प्रत्येक व्यक्ति को न्यूनतम आय की गारंटी देने की आवश्यकता है।" कथन की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"In a justified society there is a need to guarantee minimum income to each person." Critically explain the statement. (250 words) 12.5

सामाजिक न्याय की अवधारणा मानती है कि प्रत्येक व्यक्ति की न्यूनतम बुनियादी आवश्यकताएँ पूरी होनी चाहिए, भले ही नागरिक आर्थिक उत्पादन क्रिया में भाग ले रहा हो अथवा नहीं। गौरतलब है कि भारत की लगभग 21.9% आबादी गरीबी रेखा से नीचे है, जिसे बुनियादी आवश्यकताएँ पूरा करने में संघर्ष करना पड़ता है। अतः आर्थिक सर्वेक्षण 2017 में सार्वजनिक बुनियादी आय के रूप में सभी योजनाओं की जगह प्रत्येक व्यक्ति को न्यूनतम आय की गारंटी युक्त राशि डीबीटी के जरिये दी जाए।

लाभ / जरूरत क्यों

(1) गरीबी, कुपोषण से लड़ने के लिए
(2) जीवन स्तर को बेहतर बनाने व निम्न

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

खर्च से माँग बढ़ाकर अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए

(3) गरीबों को सेवा चयन के बेहतर विकल्प देने हेतु।

(4) सामाजिक आर्थिक न्याय की प्राप्ति के संवैधानिक लक्ष्य को पाने हेतु

(5) लोकजन की समस्याओं का समाधान।

गौरतलब है कि सार्वजनिक बुनियादी आय की गारंटी एक शर्तरहित योजना है, जिसको लेकर चुनौतियाँ निम्न हैं —

(1) सार्वजनिक का अर्थ यदि पूरा भारत हुआ तो यह आर्थिक खर्च वहन करने की स्थिति में राजकोष अपर्याप्त होगा।

(2) वर्तमान में संचालित मनरेगा, सर्व शिक्षा अभियान, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, जननी सुरक्षा, कौशल विकास हेतु वित्त आदि को समाप्त कर दिया तो जाती नहीं बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल में प्रदत्त आय का खर्च करे

इस संदर्भ में अंतर्राष्ट्रीय उदाहरणों का उल्लेख कीजिए

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

यह शराब, जुएया भी खर्च कर देगा।

(3) यह लोगों को अकर्मण्य बना देगी

(4) अमीरों को गारंटीयुक्त आय अतार्किक है।

(5) अभी प्रशासनिक तंत्र पूरे देश को सब्सिडी आदि देने के लिए तैयार नहीं। (बैंकिंग तंत्र की कमजोरी विमुद्रीकरण के दौरान देखी गई।

स्पष्ट है कि हाल ही में स्विटजरलैंड में ऐसे ही प्रस्ताव को जनता ने अस्वीकार कर दिया। सार्वजनिक आय की गारंटी का उद्देश्य उचित है, किंतु यह तरीका अधिक व्यावहारिक नहीं, इसके बजाय मौजूदा योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन, कौशल विकास, रोजगार संवर्धन व आर्थिक वृद्धि दर बढ़ाकर गरीबी निवारण व सामाजिक आर्थिक न्याय प्राप्ति के प्रयास किए जाने चाहिए।

B

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	1	0.25	0.25	0.25	✓
Grade	B	C	C	C	B	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

4. निर्यात की मात्रा विभिन्न आंतरिक एवं अंतर्राष्ट्रीय कारकों से प्रभावित होती है। इस संदर्भ में भारत सरकार द्वारा 'निर्यात संवर्द्धन' के लिये उठाए गए विभिन्न कदमों की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Export volume is affected by various internal and international factors. In this context discuss the various steps taken by the government of India for 'Export Promotion'. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

वर्ष 2015-16 में लगभग 260 अरब डॉलर का निर्यात रहा जो उक्त वर्ष पहले 320 अरब डॉलर के लगभग था।

निर्यात गिरने के अंतर्राष्ट्रीय कारण

1. अमेरिका में मंदी तथा यूरोप व जापान का स्लोडाउन वैश्विक माँग को कम कर रहा है।
2. अमेरिकी शेल तेल क्रांति ने तेल की कीमतों को गिराया है अतः अरब राष्ट्रों से माँग कम हुई है।
3. 2008 की मंदी के बाद पश्चिमी दुनिया में बढ़ता संरक्षणवादी रवैय्या तथा लोकल उद्योगों को गति देने की नीति।
4. नये बाजारों की तलाश नहीं।

Copyright - Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कारक

(1) भारत में अवसंरचना की कमी के चलते लॉजिस्टिक लागत लगभग 16% है वहीं चीन में यह 9% है। यह भारतीय उत्पादों को गैर प्रतिस्पर्धी बनाती है।

(2) कौशल की कमी व श्रम कानूनों का लागत बढ़ाने में योगदान।

(3) पुरानी तकनीक व नवीन उद्योगों का प्रसार नहीं।

(4) मुद्रास्फीति के कारण कच्चे माल की कीमत बढ़ना।

(5) SEZ कार्यक्रम के तहत दी गयी छूट अवधि की समाप्ति।

स्पष्ट है कि भारत सरकार ने निर्यात के गिरने से रोकने तथा पुनः वृद्धि करने के लिए निम्न कदम उठाए हैं —

(1) विदेशी व्यापार नीति 2015 के तहत

कथन को और प्रश्न की मांग के अनुरूप लिखिए।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

2019-20 तक 900 अरब डॉलर व्यापार का लक्ष्य रखा है, जिसमें सभी निर्यात एवं आयात प्रोत्साहन योजनाओं को एकीकृत कर दो भागों में बाँटा है।

(2) मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, मुद्रा योजना, स्टार्टअप इंडिया के तहत आर्थिक विविधीकरण के प्रयास।

(3) विविध क्षेत्रों में FDI मानकों में ढील दी है ताकि विदेशी कंपनियाँ भारत में विनिर्माण कर वस्तुएँ बाहर बेचें। जैसे — रक्षा क्षेत्र, खाद्य प्रोसेसिंग उद्योग

(4) अवसंरचनात्मक सुधार के लिए सड़क निर्माण, अंतर्देशीय जलमार्ग, भारतमाला व सागरमाला कार्यक्रम लॉजिस्टिक लागत को कम करने पर केंद्रित हैं।

स्पष्ट है कि भारत के परंपरागत निर्यात गंतव्यों के साथ ही नवीन बाजारों पर ज्यादा ध्यान देने व उत्पादन लागत कम कर उत्पादन बढ़ाने पर ध्यान देने की जरूरत है।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	1	0.25	0.25	0.25	✓
Grade	B	C	C	C	B	B	

3

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

5. "यद्यपि भारतीय उद्योग तेजी से बढ़ रहे हैं परंतु आधारभुत उद्योगों में से एक उर्वरक उद्योग अपनी घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति में भी निरंतर अक्षम रहा है।" कथन के संदर्भ में भारतीय उर्वरक उद्योग के समक्ष उपस्थित चुनौतियों का विवरण दें तथा इनसे निपटने के उपायों पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"Although Indian industry is growing steadily but the fertilizer industry being one of the basic industries, has been consistently unable to fulfill its domestic needs." In the context of the statement, describe the challenges before the Indian fertilizer industry and discuss the measures to deal with them. (250 words) 12.5

उर्वरक उद्योग ~~अग्रात्व~~ प्रमुख 8 उद्योगों में से एक है, यह रसायन उद्योग व कृषि के लिए आधारभूत तत्व है।

उर्वरक उद्योग के समक्ष चुनौतियाँ

(1) प्राकृतिक गैस की मात्रा अधिक होती है, जबकि भारत का घरेलू उत्पादन कम व आयातपर निर्भरता।

(2) आधुनिकतम तकनीक, कुशल मानव संसाधन की कमी।

(3) निजी क्षेत्र का प्रवेश नहीं, अतः सरकारी निवेश अपर्याप्त है।

(4) उर्वरक पर सब्सिडी के ~~कारण~~ सब्सिडीयुक्त यूरिया का प्रयोग रसायन उद्योग में प्रयोग एवं अपात्र लोगों को भारी सब्सिडी देते हैं

Copyright – Drishti The Vision Foundation

अधिकांश संयंत्र घाटे में रहते हैं।

(ख) इस संदर्भ में उठाए जा सकने वाले कदम —

(1) तापी गैस परियोजना व राष्ट्रीय हाइड्रोकार्बन अन्वेषण नीति के जरिये गैस आपूर्ति की विश्वसनीय आपूर्ति तथा बंद पड़े कारखानों को पुनः चालू करना।

(2) उर्वरक सब्सिडी का तार्किकरण करना। DBT के प्रयोग से अपात्र लोगों व नीम कोटेड यूरिया के जरिये रसायन उद्योग में जाने से रोकना।

(3) उर्वरक के दाम बाजार कीमतों के हिसाब से तय हों, सरकार किसानों को प्रत्यक्ष सब्सिडी दे।

(4) चाबहार बंदरगाह में भारत ने उर्वरक कारखाना शुरू करने की योजना बनाई है जिस पर तुरंत आगे बढ़ना चाहिए।

(5) कारखानों का आधुनिकीकरण व

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

नवीन कारखानों की स्थापना हेतु निजी क्षेत्र को पीपीपी के तहत आमंत्रित किया जा सकता है।

(6) उर्वरक क्षेत्र में डीबीटी (डीबीआई) मोड को में ढील देना।

स्पष्ट है कि अतार्किक उर्वरक सब्सिडी के कारण उर्वरक का अविवेकपूर्ण प्रयोग होने से न केवल माँग बढ़ी है बल्कि भूमि व जल प्रदूषण की समस्या भी उत्पन्न हुई है। अतः उत्पादन बढ़ाने व कीमत तार्किकीकरण के साथ संयमित उपयोग के लिए भी प्रयास करने होंगे।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	.5	1.5	0.25	0.25	0.25	
Grade	B	C	C	C	B	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

6. खाद्य सुरक्षा से आगे बढ़कर पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने की राह में दलहन समस्या मुख्य बाधा है। इस बाधा पर चर्चा कीजिये और बताएँ कि इसे कैसे दूर किया जा सकता है? (250 शब्द) 12.5

Pulses Problem is the main obstacle in the path of ensuring nutritional security ahead of food security. Discuss this obstacle and tell how it can be overcome. (250 words) 12.5

भारत में लगभग 43% जनसंख्या कुपोषण का शिकार है, अत: कुपोषण से लड़ने हेतु खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत 75% ग्रामीण व 50% शहरी परिवारों को खाद्य सुरक्षा की गारंटी दी है।

किन्तु इस अधिनियम में दलहन फसलों को शामिल नहीं किया है, केवल मोटे अनाज व चावल गेंहू का प्रावधान है, इस कारण लोगों के लिए अपरिहार्य पोषण संबंधी आवश्यकताएँ पूरी नहीं हो पा रही हैं।

भारत विश्व का सबसे बड़ा दाल उत्पादक उपभोक्ता होने के साथ सबसे बड़ा आयातक भी है। इस विरोधाभासी स्थिति के पीछे निम्न कारण हैं —

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

① गेंहु व चावल पर दी जाने वाला न्यूनतम समर्थन मूल्य राजनीतिक एवं अन्य कारणों से दलहन आदि से बहुत ज्यादा रहा। इस कारण पंजाब हरियाणा जैसे अधिक पानी वाले राज्य भी दाल के बजाय चावल उपजाने लगे।

② दाल उत्पादन के संदर्भ में किसानों तक तकनीकी उत्पाद (खाद, बीज) आदि का न पहुँचना है।

③ दाल की मौसमी उच्चावच पूर्ण मुद्रास्फीति दर ने गरीबों की प्लेट से दाल को दूर किया है।

④ राज्यों द्वारा एमएसपी पर चावल व गेंहु के लिए अतिरिक्त रूप से सब्सिडी दी जाती है जिससे दालों का रकबा घटा है।

उपाय

① दाल उत्पादन बढ़ाने के लिए एमएसपी प्रणाली को फसल चक्र के अनुरूप व

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दाल उत्पादन को प्रीति बनाने वाला बनाना होगा।।
इसलिए गेहूं व चावल के लिए कम व दालों के लिए एमएसपी ज्यादा बढ़ाने की जरूरत है।

(2) किसानों के लिए सस्ते बीज व खाद की अच्छी आपूर्ति तथा "लैब" के ज्ञान को "लैंड" पर उतारने हेतु फूडलेग्यूमरिसर्च प्लेटफार्म (FLRP) को बढ़ावा देना।

(3) अफ्रीका आदि देशों में चीन की तरह किराये पर भूमि लेकर दाल उत्पादन बढ़ाना।

(4) दालों से संबंधित बाजार मूल्य के उतार-चढ़ावों को कम करने हेतु मूल्य स्थिरीकरण योजना का दालों तक प्रसार।

स्पष्ट है कि भारत की अधिकांश जनसंख्या शाकाहारी है अत: दाल ही एकमात्र प्रोटीन का विकल्प बचता है जो कुपोषण से लड़ सकता है अतः दाल उत्पादन बढ़ाकर इसे खाद्य सुरक्षा अधिनियम में शामिल किया जाए।

वर्ष क्रमवार में उपज है, पानी वाली किस्मों का विकास, पर्याप्त निवेश, सब्सिडि आदि, बेहतर

B

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	1	0.25	0.25	0.25	✓
Grade	B	C	C	C	B	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

7. "प्रथम विश्व युद्धोत्तरकालीन अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की दुर्बलताएँ ही द्वितीय विश्व युद्ध का मूल कारण सिद्ध हुई।" आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"The weaknesses of the international order in the time of post World War I were proved the root cause of World War II." Critically examine. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

उपरोक्त कथन प्रथम विश्वयुद्ध की समाप्ति के पश्चात वर्साय की संधि के अपमानजनक प्रावधानों एवं उससे उत्पन्न विसंगतियों से द्वितीय विश्व युद्ध के उपजने को संकेतित करता है।

(1) प्रथम विश्व युद्ध पश्चात वर्साय की संधि से जर्मनी को भारी नुकसान पहुँचाया गया। जर्मनी से पॉलिश गलियारा, श्लेसविग, डोजिग बंदरगाह, अफ्रीकी उपनिवेशों, नौसेना में कटौती व थल सेना में कमी जैसे प्रावधानों से न केवल उसके आर्थिक, सैनिक व राजनीतिक क्षति पहुँचाई बल्कि फ्रांस व ब्रिटेन की प्रतिशोधी कार्यवाहियों से उसका राष्ट्रवाद आहत हुआ और लोकतंत्र के रूप में स्थापित वाइमर गणतंत्र इस उग्र राष्ट्रवाद को तुष्ट नहीं कर पाया फलतः हिटलर का उदय हुआ।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

(2) इटली ने विश्वयुद्ध से पूर्व ही जर्मनी का साथ छोड़कर मित्रराष्ट्रों का साथ दिया किन्तु उसे उचित लाभ नहीं मिला, जिससे इटली का भी राष्ट्रवाद आहत हुआ और वहाँ मुसोलिनी का उदय हुआ।

(3) विश्वयुद्ध पश्चात राष्ट्रसंघ बनाया गया, जिसमें अमेरिका स्वयं शामिल नहीं हुआ तथा रूस को इससे बाहर रखा गया अतः फ्रांस व ब्रिटेन ने इसका प्रयोग हिटलर व मुसोलिनी के तुष्टिकरण को शांत करने के लिए किया, जिससे तानाशाहों की हिम्मत व मनोबल बढ़ गया।

(4) रूस के अचानक विश्वयुद्ध से हाथ वापस लेने के कारण मित्र राष्ट्रों ने उसे दुश्मन मान लिया था, और लोकतंत्र विरोधी करार देकर हिटलर, मुसोलिनी व अकिहितो (जापान) को उसके विरुद्ध

मुख्यतः निरस्त्रीकरण, अमेरिका, रूस जैसे देशों का राष्ट्रसंघ में शामिल न होना, आर्थिक मंदी, उग्र राष्ट्रवाद इत्यादि प्रमुख कारकों का भी उल्लेख किया जाना चाहिए

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

उदाहरण।

(4) अमेरिका के वुड्रो विल्सन ने जर्मनी को वादा दिया कि उसके साथ विश्व युद्ध पश्चात सम्मानजनक व्यवहार किया जाएगा, किन्तु ऐसा नहीं हुआ।

स्पष्ट है कि प्रथम विश्व युद्ध-कालीन अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्थाएँ (राष्ट्र संघ, वर्साय की संधि) एक ओर जहाँ प्रथम विश्व युद्ध की समाप्ति का दस्तावेज थी तो दूसरी ओर दूसरे विश्वयुद्ध की परिणति का घोषणापत्र।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1.5	1.5	0.25	0.25	0.25	✓
Grade	B	C	C	C	B	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

8. "फ्रांस की क्रांति वैचारिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त होते समाज के असंतोष की अभिव्यक्ति मात्र थी।" विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"The french revolution was an expression of discontent of the ideologically and financially empowering society." Analyse. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

यह कथन स्पष्ट करता है कि फ्रांस की क्रांति (1789) के पीछे मुख्य कारण दार्शनिक तथा आर्थिक परिस्थितियाँ थी।

दार्शनिक कारण

① दार्शनिक वर्ग मुख्यत: मध्यवर्ग से जुड़ा हुआ था। रूसो, वाल्टेयर, मोंटेस्क्यू जैसे विचारक स्वतंत्रता, समानता व बंधुता जैसे विचारों को बढ़ावा दे रहे थे। रूसो ने कहा कि व्यक्ति स्वतंत्र पैदा होता है, इससे लोगों में अनैतिक राजशाही को स्वतंत्रता हननकर्ता के रूप में देखा। इसके साथ ही वहाँ विविध पत्र पत्रिकाओं के कारण भी राजशाही विरोधी भावनाएँ उग्र होने लगी।

तत्कालीन समय में विभिन्न देशों में हो रहे परिवर्तनों से फ्रांस भी प्रभावित हुआ। अमेरिकी क्रांति का उदाहरण दें।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(२) आर्थिक कारण & सामाजिक कारण

(क) तृतीय एस्टेट एकमात्र कर दाता था। किसान पहले से ही आर्थिक बोझों से दबे थे, जबकि सप्तवर्षीय युद्ध एव अमेरिकी ~~[illegible]~~ युद्ध में भागीदारी से उन पर और कर बढ़ा दिया गया, वहीं दूसरी ओर राजतंत्र व कुलीनों के खर्चे अत्यधिक थे, अत: लोगों की परेशानी बढ़ रही थी फलत: वे क्रांति को मजबूर हुए।

~~यह स्पष्ट है कि फ्रांस की क्रांति में~~

~~आर्थिक~~ (ख) मध्यवर्ग (वकील, डॉक्टर, विचारक...) की आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही थी, किन्तु कुलीनतंत्र के कारण उन्हें शासन में हिस्सा व यथोचित सम्मान नहीं मिल रहा अत: वे नेतृत्व की भूमिका में आने को बेताब थे।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

स्पष्ट है कि सशक्त होते मध्यवर्ग की ~~आर्थिक~~ सामाजिक कारण व विचारक वर्ग की भूमिका तो अहम थी ही, साथ में राजतंत्र की संवेदनहीनता, अमेरिकी क्रांति का वैचारिक ~~प्रभा~~ प्रभाव, आदि कारक भी जिम्मेदार थे।

फ्रांस की क्रांति के कारणों, यूरोप व विश्व पर प्रभाव/परिणामों की परिचर्चा का उल्लेख करते हुए निष्कर्ष ~~लिखिये~~

3

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	1	0.25	0.25	0.25	
Grade	B	C	C	C	B	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

9. जैसे सूर्य की किरणें समस्त संसार में विकसित होती हैं, चाहे आगे या पीछे, वैसे ही प्रज्ञा का प्रकाश किसी एक महाद्वीप तक कैसे सीमित रह सकता है? पुनर्जागरण के दौरान उपजे विचार के संदर्भ में उक्त कथन की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 12.5

As the rays of the sun spread throughout the world, whether early or later similarly, how the light of intelligence can be confined to one continent? Discuss the above statement in relation to the idea that was developed during the Renaissance. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पुनर्जागरण के संदर्भ में यह कथन संकेत करता है कि पुनर्जागरण के कारण सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, दार्शनिक, धार्मिक सभी पक्षों में यूरोप क्रांतिकारी बदलाव आए। राजतंत्र के स्थान पर लोकतंत्र, अर्थव्यवस्था का आधुनिक रूप, परलोक की जगह इहलोक पर बल, बुद्धि विवेक चिंतन पर बल, सामाजिक वर्गों में अधिकारों को लेकर चेतना व राष्ट्रवादी भावनाओं का विकास हुआ।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

इसके विपरीत एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका में औपनिवेशिक युग आने तक मध्यकालीन जड़ता बनी हुई थी।

पुनर्जागरण के यूरोप में ही होने के निम्न कारण थे —

(1) पोप का शासन व सामंतवाद से यूरोप अंधकार में डूबा था। धार्मिक शोषण चरम पर थे, अतः विद्रोह होना निश्चित थे। जो धर्म सुधार आंदोलन (प्रोटेस्टेंट) के रूप में सामने आया।

(2) कुस्तुनतुनिया के हाथ के बाद यूरोपियों को तेल मांगना पड़ा साथ में वे अपने प्राचीन इतिहास के

प्रश्नानुसार पुनर्जागरण के प्रभाव पर प्रधान विशेष बल होना चाहिए

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सीले गए जिनसे उन्हें वैचारिक प्रेरणा मिली।

(3) भौगोलिक खोजें –

(4) अतिवेशवाद को लेकर प्रतिस्पर्धा ने राष्ट्रों के उदय का मार्ग प्रशस्त किया।

स्पष्ट है कि पुनर्जागरण के कारण यूरोप की सामंती परिस्थितियों की शोषणकारी परिस्थितियों में निहित थी।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	0.5	0.5	0.25	0.25	0.25	✓
Grade	B	D	D	C	B	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

10. गुटीय राजनीति के काल में तृतीय विश्व के देशों की एकता व अखण्डता बनाए रखने में गुटनिरपेक्ष आंदोलन की भूमिका का विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Analyze the role of Non-aligned movement to keep maintaining unity and integrity of third world countries in the time of factional politics. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

गुटनिरपेक्ष आंदोलन से तात्पर्य तीसरी दुनिया के नवस्वतंत्र देशों का गुटीय राजनीति से स्वतंत्र रहते हुए अपनी स्वतंत्र विदेश नीति का संचालन करना तथा समान सोच वाले देशों को एक मंच प्रदान करना था। वर्ष 1955 में भारतीय प्रधानमंत्री; यूगोस्लाविया के राष्ट्रपति (टीटो); इंडोनेशिया के राष्ट्रपति (सुकर्णो) के प्रयासों से बांडुंग में सम्मेलन हुआ और 1961 में बेलग्रेड में विधिवत रूप से गुटनिरपेक्ष आंदोलन की शुरुआत हुई।

गौरतलब है कि तीसरी दुनिया के देश वे थे जिन्होंने लंबे समय तक

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

औपनिवेशिक दासता का सदा था, सभी देश आर्थिक सामाजिक रूप से पिछड़े तथा सभी सांस्कृतिक विविधता के धनी थे अतः इन सभी राष्ट्रों ने सामाजिक आर्थिक विकास हेतु सोवियत संघ व अमेरिका दोनो से तकनीकीय आर्थिक मदद लेने, स्वतंत्र विदेश नीति चलाने, सं० संयुक्त राष्ट्र संघ के मंच पर एक आवाज में माँग उठाने, इंगलैंड के खिलाफ लड़ाई लड़ने व नवसाम्राज्यवाद की ~~आलोचना~~ से बचने का लक्ष्य निर्धारित किया।

इन देशों की एकता व अखंडता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका रही. किन्तु इसमें कुछ विचलन दिखाई देते हैं –

ⓐ दक्षिण पूर्वी एशियाई राज्यों (इंडोनेशियासहित) का अमेरिकी खेमे की ओर झुकाव (सीटो समझौता)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

(b) 1971 में भारत का सोवियत संघ की ओर झुकाव

(c) वैश्विक मंचों पर अलग अलग आवाज उठाना व कभी कभी एक दूसरे का विरोध करना।

स्पष्ट है कि गुटनिरपेक्ष आंदोलन कोई सुसंगठित नहीं था, नहीं कोई गुट था अतः सभी देश अपने राष्ट्रीय हितों के अनुकूल संचालित होने को स्वतंत्र थे। वर्तमान काल में न केवल ये देश राष्ट्रीय हितों को साध सके बल्कि वैश्विक एकता स्थापित करने हेतु सोवियत संघ व अमेरिका के बीच सेतु बने रहे। इस संदर्भ में इसकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1.5	1.5	0.25	0.25	0.25	—
Grade	B	C	C	C	B	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

11. राज्य के नीति निर्देशक तत्त्वों का क्रियान्वयन किस सीमा तक किया गया है? इसका आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये तथा इनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिये आप किस प्रकार के तरीकों का सुझाव देंगे? (250 शब्द) 12.5

To what extent the DPSP have been implemented? Critically examine it and what types of method would you suggest for their effective implementation? (250 words) 12.5

नीति निर्देशक तत्वों को ड्राफ्टिंग कमेटी ने मूल अधिकार बनाने का सुझाव दिया था, किन्तु मूल अधिकार जहाँ राजनीतिक न्याय स्थापित करते हैं, वहीं नीति निदेशक तत्व आर्थिक राजनीतिक न्याय स्थापित करते हैं। परंतु सरकार की सीमित क्षमताओं को देखते हुए संविधान सलाहकार बी.एन. राव ने इन्हें मूल अधिकारों से इतर निदेशक तत्वों के रूप में रखा गया, जिससे संविधान निर्माताओं को उम्मीद थी कि राज्य क्षमता बढ़ने व अनुकूल परिस्थिति के साथ ही इन्हें लागू करेगा।

नीति निदेशक तत्वों का क्रियान्वयन

(1) सामाजिक व्यवस्था कायम करने के लिए भूमि सुधार.

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(2) अनुच्छेद 39(b) व (c) को लागू किया गया है।

(3) 39(क) को लागू करते हुए राष्ट्रीय विधिक सहायता अधिनियम (NALSA) के जरिये सबको विधिक सहायता का अधिकार प्रदान किया है।

(4) खाद्य सुरक्षा अधिकार अधिनियम अनुच्छेद 47 से जुड़ा है।

(5) काम की मानवीय दशाएँ एवं प्रकृति सहायता हेतु श्रम कानून एवं मातृत्व लाभ अधिनियम बनाया है।

(6) सभी को रोजगार प्रदान करने व आजीविका दिलाने, का समान काम के लिए समान वेतन हेतु विविध योजनाएँ - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, मुद्रा योजना, मनरेगा आदि शुरू की है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

स्पष्ट है कि कुछ नीतिनिदेशक तत्वों को लागू किया जा चुका है तथा कुछ की दिशा में प्रयास जारी है, किन्तु सामाजिक आर्थिक न्याय स्थापना पर ही नीतिनिदेशक तत्वों का उद्देश्य पूरा होगा।

सुझाव →

1. समान नागरिक आचार संहिता पर सहमति बनाने हेतु समुदाय धर्मों के मध्य सतत संवाद पर सहमति बनाने के प्रयास।
2. खाद्य सुरक्षा अधिनियम को पोषण सुरक्षा तक विस्तृत करना।
3. समान काम के लिए समान वेतन हेतु सामाजिक जागरूकता बढ़ाना।
4. स्थानीय संस्थाओं को अधिक शक्तियाँ सौंपना।

स्पष्ट है कि नीतिनिदेशक तत्व सुशासन के आधारभूत आयाम हैं, जिनकी ओर सतत राजनीतिक प्रयासों की जरूरत है।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.5	1	1	0.25	0.25	0.25	✓
Grade	B	C	C	C	B	B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

...या इस स्थान में प्रश्न ...या के अतिरिक्त कुछ ...लखें।
...ease do not write ...thing except the ...estion number in ...s space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

13. वैश्वीकरण एवं उदारीकरण के इस युग में दिनोंदिन परिपक्व होती भारतीय राजनीति में दबाव समूहों की प्रासंगिकता अब नगण्य हो गई है। आलोचनात्मक व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 12.5

In this era of globalization and liberalization the relevance of the pressure groups in Indian politics, which is being matured day by day has became negligible. Critically explain. (250 words) 12.5

वैश्वीकरण एवं उदारीकरण के दौर में समाज अधिक सशक्त बना है उदारता है तथा समाज का संवाद शेष विश्व से स्थापित हुआ है। वैश्वीकरण से उम्मीद की जाती रही है कि भारतीय राजनीति से जाति, धर्म, नैतिक संगठन आदि दबाव समूहों का दबाव कम होगा किन्तु स्थिति इस दिशा में नहीं बदली है।

राजनीति पर विभिन्न दबाव समूहों का प्रभाव

(1) राजनीति पर धार्मिक संगठनों, जातियों, समुदायों का प्रभाव बढ़ा है। क्योंकि महिला, दलित, अन्य पिछड़ी जातियाँ अपने राजनीतिक हितों को लेकर जागरूक हुई हैं।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(2) भारतीय राजनीति परिपक्व तो हो रही है, किन्तु उम्मीदों से कम, क्योंकि परिपक्वता की कमी के कारण ही संसद में क्षेत्रीय, भाषायी, धार्मिक, जातीय आधारित दलों की संख्या बढ़ी है जिससे संसद के कामकाज, मर्यादा में गिरावट हुई।

(3) वैश्वीकरण के बाद निजी क्षेत्र के उभरने के बाद पूंजीपतियों की संख्या बढ़ी है जिसके कारण याराना पूँजीवाद जैसी अवधारणा का बढ़ना पूंजीपतियों पर राजनीति पर दबाव का द्योतक है।

(4) स्पष्ट है कि वैश्वीकरण के कारण समाज में जागरूकता बढ़ी है, शिक्षा का प्रसार बढ़ा है किन्तु

Copyright – Drishti The Vision Foundation

इस स्थान में प्रश्न के अतिरिक्त कुछ खें। (...se do not write ...ing except the ...ion number in ...pace)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

राजनीति का जातीयकरण एवं जातीयकरण भी बढ़ा है, फलत: दबाव समूहों की भूमिका अभी भी बनी हुई है।

"मौजूदा अधिनियमों का उल्लेख करते हुए इनकी प्रासंगिकता को दर्शाइए"

2

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	0.5	0.5	0.25	0.25	0.25	
Grade	B	D	D	C	B	B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न सख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

14. निष्पक्ष एवं स्वतंत्र चुनाव आयोग भारतीय लोकतंत्र की गरिमा को सुनिश्चित करने हेतु संवैधानिक एजेंसी के रूप में प्रतिस्थापित है परंतु हाल ही में उभरे अनेक विवादों ने इसकी शक्ति एवं निष्पक्षता के विषय में अनेक सवाल खड़े किये हैं। इन विवादों पर चर्चा करते हुए बताएँ कि चुनाव आयोग को कैसे 'लोकतंत्र के प्रहरी' के रूप में मजबूत बनाया जाए? (250 शब्द) 12.5

As a constitutional agency fair and independent election commission has established to ensure the dignity of Indian democracy but several controversies emerged recently have raised many questions about its power and fairness. Discuss these controversies and explain that how can the election commission be strengthened as a 'Watchdog of Democracy'? (250 words) 12.5

भारतीय लोकतंत्र के व्यवस्था के रूप में स्थापना हेतु स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव जरूरी है, और इस कार्य हेतु संविधान चुनाव आयोग को नियुक्त करता है। चुनाव आयोग निष्पक्ष व स्वतंत्र सरकार को निर्वाचित करवाकर सही मायनों में उत्तरदायी कल्याणकारी राज्य की स्थापना करती है।

किंतु, हालिया कुछ उदाहरणों से चुनाव आयोग को लेकर विवाद रहा है-

1. चुनाव आयोग द्वारा इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन में छेड़छाड़ के आरोप।
2. पश्चिमी बंगाल तथा बिहार के पिछले

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

चुनाव में चुनाव आयोग के निर्देशों की खुलेआम अवहेलना।

(3) चुनाव आयोग द्वारा राजनेताओं पर नकेल कसने हेतु अधिक शक्तियों की माँग एवं सुप्रीमकोर्ट द्वारा मना करना।

स्पष्ट है कि चुनाव आयोग एक स्वतंत्र एवं निष्पक्ष संस्था है, जिस पर राजनीतिक कारणों से वोटिंग मशीन में छेड़छाड़ आदि के आरोप जनता के विश्वास को ठेस पहुँचाते हैं। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन हेतु चुनाव आयोग का सशक्तीकरण आवश्यक है, इस संदर्भ में निम्न शक्तियाँ चुनाव आयोग को देकर विचार किया जा सकता है -

पेड-न्यूज
धन बल
बाहुबल
प्रचलन
...

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

1) अवमानना की न्यायालय के समान शक्ति
2) गलत आरोप लगाने वाले नेताओं पर कार्रवाही
3) चुनाव आयोग के निर्देशों की अवहेलना करने पर कार्रवाही की आयोग को शक्ति।

इसके साथ ही, चुनावी दलों को भी अधिक उत्तरदायी बनाने के लिए RTI के दायरे में लाने व चंदे के नियमन की आवश्यकता है। इसके साथ ही VVPAT मशीन के जरिये चुनाव कराये जाएं ताकि चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर वैचारिक हमला कर उसको कमजोर करने के प्रयासों पर रोक लगे।

3

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	1	0.25	0.25	0.25	✓
Grade	B	C	C	C	B	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

इस स्थान में प्रश्न के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

15. अनुसूचित जाति उप-योजना एवं जनजातीय उप-योजना दो नीतिगत साधन हैं जो स्पष्ट रूप से अतीत के अनावश्यक पदानुक्रमों को समाप्त करने, अनुसूचित जाति/जनजाति के सशक्तीकरण में तेज़ी लाने और न्यायसंगत समाज के दृष्टिकोण को स्पष्ट करने के लिये तैयार हैं। आलोचनात्मक व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Scheduled cast sub-plan and tribal sub-plan are two policy instruments which are clearly ready to eliminate the redundant hierarchies of the past, to accelerate the empowerment of schedule castes/tribes and to clarify the vision of the equitable society. Critically explain. (250 words) 12.5

अनुसूचित जाति व जनजाति उपयोजनाएँ

अनुसूचित जाति व जनजाति के उन वर्गों पर लक्षित है जो इनके भीतर भी और अधिक पिछड़ी हुई है।

वस्तुत: सामाजिक न्याय की उदारी प्रक्रिया में वे वर्ग ज्यादा सशक्त होते हैं जो अधिक प्रतिस्पर्धी है इस कारण से अनुसूचित जाति व जनजाति की सामान्य योजनाओं का लाभ इनका अधिक गतिशील वर्ग उठा जाता है जबकि शेष तबका

प्रश्न की मांग के अनुसार दें व्याख्या करें उत्तर विशिष्ट

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

नहीं उठा पाता। अतः ये योजनाएँ ऐसे ही लक्षित वर्ग पर केन्द्रित हैं।

इन योजनाओं के तहत इन दोनों वर्गों के लोगों के लिए अपनी श्रेणी के भीतर ही वर्गीकरण किया जाता है और अलग से कानूनी व्यवस्था की जाती है, जिसके तहत एक कैटेगरी का निश्चित आरक्षण, रोजगार के अवसर निश्चित किए जाते हैं, अलग से आर्थिक योजनाएँ चलायी जाती हैं, ताकि वितरणमूलक न्याय की स्थापना हो और ये नीचे के वर्ग गतिशील हों।

इन दोनों ~~योजनाओं~~ के पक्ष विपक्ष (सकारात्मक नकारात्मक) का उल्लेख ~~कीजिए~~

2

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

16. सार्वजनिक संस्थाएँ समाज में अंतिम छोर तक न्याय सुनिश्चित करने हेतु एक सेतु की तरह कार्य करती हैं; परंतु कमजोर होती ये संस्थाएँ भारतीय सामाजिक न्याय व्यवस्था को और कमजोर कर रही हैं। चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 12.5

To ensure justice till the end, public institutions work like a bridge in the society; but these weakening institutions are making the Indian social justice system more weaker. Discuss. (250 words) 12.5

भारत एक कल्याणकारी लोकतांत्रिक राज्य है और सार्वजनिक संस्थाएं राज्य का वह चेहरा है जो जनता के बीच उपस्थित रहता है, यह जन आकांक्षाओं को सरकार तक पहुँचाता है और सरकारी योजनाओं को जमीन पर उतारता है। जब किसी राष्ट्र में सामाजिक आर्थिक विषमता अधिक हो तो सार्वजनिक संस्थाओं की भूमिका ~~अंतिम व्यक्ति~~ अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुँचाने एवं वितरणमूलक न्याय दिलाने में अहम हो जाती है।

गौरतलब है कि हालिया दिनों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण आदि के

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

जुड़े सार्वजनिक संस्थाओं को निजी क्षेत्र की ओर बढ़ाया जा रहा है, जिससे सामाजिक कल्याण के लक्ष्य तक पहुँचने पर शंकाएं जताई जा रही हैं।

इस स्थिति से निपटने के लिए निम्न व्यवस्था हो -

(1) पिछड़े क्षेत्रों एवं वर्गों के लिए लक्षित योजनाएँ चलाई जाएँ।

(2) स्थानीय स्वशासी संस्थाओं को अधिक शक्तियाँ सौंपी जाएँ क्योंकि ये संस्थाएं बेहतर तरीके से समस्या देख पाने में सक्षम होती हैं।

(3) महिलाओं, दलितों, जनजातियों, अल्पसंख्यकों एवं अन्य पिछड़े वर्गों को संस्थागत तंत्र की सुविधाएँ (अनु० जनजाति/जाति आयोग, महिला आयोग की

बेहतर सार्वजनिक सुविधाएं, अधिक सुरक्षा तथा बेहतर भारत व्यवस्था, भीड़/पुलिस की भूमिका सामाजिक अंकेक्षण, पंचायती राज को भी अधिक पारदर्शिता/जवाबदेह संस्थाओं का गठन और विधि शासन, डिजिटलीकरण

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright - Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(4) शिक्षा व स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों पर सरकार का नियंत्रण आवश्यक है क्योंकि निजी क्षेत्र का चरित्र सबको साथ लेकर चलने वाला नहीं होता।

स्पष्ट है कि सार्वजनिक सेवाओं को कम करके लक्षित वर्गों तक सीमित करना चाहिए और निजी क्षेत्र का सहयोग लेकर (~~सामाजिक~~ कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व आदि) अधिक ~~व्यय~~ प्रयास किए जाएँ।

3

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	1	0.25	0.25	0.25	✓
Grade	B	C	C	C	B	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

या इस स्थान में प्रश्न
या के अतिरिक्त कुछ
लखें।
ase do not write
thing except the
stion number in
space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

17. चर्चा कीजिये कि स्वराजवादी, परिषद को राजनीतिक संघर्ष का मैदान बनाने में कहाँ तक सफल हुए तथा परिषद में प्रवेश न करने के संबंध में अपरिवर्तनवादियों के क्या तर्क थे? स्वराज दल के पतन के कारणों को लिखें। (250 शब्द) 12.5

Discuss how far Swarajists were successful in making council as an arena for political struggle and what were the arguments of No-changers against council entry? Write down the cause to the decline of Swaraj Party. (250 words) 12.5

असहयोग आंदोलन की वापसी के उपरांत गाँधीजी समेत बड़े राजनेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। इस दौर में राजनीतिक निर्वात की स्थिति हुई थी। कांग्रेस में इस समय दो मत उभरे - स्वराजवादी तथा अपरिवर्तनवादी।

अपरिवर्तनवादियों का मत

अपरिवर्तनवादी चुनाव लड़ने के बजाय रचनात्मक कार्यों को बढ़ावा देने के पक्षधर थे, क्योंकि -

(1) मोंटेग्यू चेम्सफोर्ड सुधार (1919) इन्हें तुष्टिकरण के उपाय मात्र प्रतीत हो रहे

(2) इससे ब्रिटिश विरोध कमजोर हो जाएगा और जनता का भरोसा कम हो जाएगा।

दृष्टि The Vision
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

③ राज्य नेताओं के पास (निर्वाचित) कोई शक्ति नहीं थी क्योंकि द्विशासन की व्यवस्था के कारण अधिकांश शक्तियाँ गवर्नर की कार्यकारिणी के पास थी।

वहीं, मोतीलाल नेहरू, सी.आर.दास व विट्ठल भाई पटेल जैसे स्वराजियों का मत था कि विधानसभाओं को ब्रिटिश विरोधक मंच बनाया जाए और सरकार कामकाज को ठप कर दिया जाए। स्वराजवादियों ने चुनावों में भागीदारी की जहाँ उन्हें कुछ सफलताएँ भी मिलीं —

① विट्ठल भाई पटेल को केन्द्रीय विधानपरिषद का अध्यक्ष बनवाया। चुनाव में 100 में से 42 सीटें जीतीं।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ भी न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(2) शिक्षा का अधिकार, मानवाधिकार दिए जाने के लिए विधानसभा में हंगामा किया।

(3) पब्लिक सेफ्टी बिल पर सरकार को पराजित किया। यह बिल साम्यवादियों पर अंकुश लगाने के लिए था।

स्पष्ट है कि स्वराजवादियों को सीमित सफलताएँ मिली, किन्तु इससे यह साबित हो गया कि ब्रिटिश सहयोग से जनता का भला नहीं हो सकता, इसके लिए पूर्ण स्वराज आवश्यक है, जिसकी आगे चलकर कराची अधिवेशन में घोषणा की गई।

3

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	.25	1	1	0.25	0.25	0.25	✓
Grade	B	C	C	C	B	B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

18 स्वातंत्र्योत्तर भारत में विकास का असमान वितरण लोगों के असंतोष का प्रमुख कारण है तथा उग्र आंदोलनों को जन्म देता है। पुष्टि कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Inequitable distribution of development in post independence era is the major reason of dissatisfaction of people and led to violent movements. Substantiate. (250 words) 12.5

स्वतंत्रता के पश्चात भारत की आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक स्थिति अत्यधिक जर्जर थी। अर्थ विकास प्राप्ति हेतु एवं संविधान के सामाजिक आर्थिक राजनीतिक न्याय के लिए राज्य का भारत लोकतांत्रिक अर्थव्यवस्था को मिश्रित रूप वाली समाजवादी बनाया, किन्तु इस दौरान लाल एक समस्या रहा जैसे -

1. राजनीति में राजघरानों, उच्च वर्गों एवं प्रभावशाली जातियों का प्रभुत्व रहा। बहुसंख्यक गरीबों को शासन में भागीदारी नहीं मिली।
2. भूमि सुधारों को पूरे मन से लागू

भ्रष्टाचार, लाल-फीताशाही, भाई-भतीजावाद, मानवीय मूल्यों का ह्रास, जैसे कारकों का भी उल्लेख किया जा सकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

न का पाने के कारण विषमता बनी ही रही। महज 6% भूमि का भूमिहीनों को आवंटन हुआ।

(3) हरित क्रांति का विकास क्षेत्र विशेष में रहा। पंजाब, हरियाणा व प. उत्तरप्रदेश में रहा।

इन सबका परिणाम यह हुआ कि उत्तरपूर्व के राज्यों को शासन में भागीदारी न मिलने से पृथकतावादी आंदोलन, पूर्वी जनजातीय क्षेत्रों में विकास व शासन का लाभ न पहुंचने व शोषण को न रोके जाने के कारण नक्सलवाद का जन्म हुआ। इसके अतिरिक्त महिला अधिकारों को लेकर आंदोलन व जातीय तनावों को भी बढ़ावा मिला।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

स्पष्ट है कि यदि विकास का लाभ एक आयामी होता है तो तनाव अवश्यंभावी हो जाते हैं अतः अलगाववाद, पृथकतावाद, जातीय तनावों आदि निपटने के लिए लोकतांत्रिक के विकासमूलक न्याय, सतत व समावेशी अर्थव्यवस्था की जरूरत है।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.5	1.5	1.5	0.5	0.5	0.5	✓
Grade	B	C	C	C	B	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

19. "गांधी एक राजनीतिज्ञ, संगठनकर्त्ता, मनुष्यों के नेता और नैतिक सुधारक के रूप में महान हैं, परंतु वह मनुष्य के रूप में उससे भी अधिक महान हैं क्योंकि ये सभी पक्ष उनकी मानवता को सीमित नहीं करते।" गांधी जी के संदर्भ में कहे गए उपर्युक्त कथन का विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"Gandhi is great as a politician, organiser, leader of people and as a moral reformer but he is greater than all these as a man because none of these aspects limits his humanity." Analyse the above statement in the context of Gandhiji. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

गांधीजी का यह कथन ~~[illegible]~~ इंगित करता है कि गांधीजी के लिए राजनीतिक संघर्ष, सामाजिक न्याय हेतु किए प्रयास तात्कालिक उद्देश्य थे, उनका मूल उद्देश्य मानव मात्र की भलाई था।

गाँधीजी ने अंग्रेजों ~~की~~ आजादी दिलाने हेतु लंबे राजनीतिक संघर्ष को जन्म दिया किन्तु इस संघर्ष में अहिंसा व सत्याग्रह जैसे मानवीय हथियार का प्रयोग किया, इस कारण वे अन्य नेताओं से महान ठहरते हैं।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

गांधीजी का मूल उद्देश्य आत्मिक उन्नति था। इसकी प्राप्ति हेतु वे व्यक्ति की स्वायत्तता, राज्य की न्यूनतम भूमिका, सर्वोदय व अंत्योदय, न्यास का सिद्धांत, सत्य, अहिंसा जैसे नैतिक पक्षों का सहारा लेते हैं।

स्पष्ट है कि गांधीजी ने दलितों, शोषितों, पीड़ितों के पक्ष में आवाज उठाई, राष्ट्रीय संघर्ष को नेतृत्व प्रदान किया, किन्तु उनकी महानता का सर्वाधिक रूप बेहतर मानव के रूप में उभरता है, क्योंकि वे –

(a) राष्ट्रवादी होने के साथ भी अंतर्राष्ट्रीयवाद का समर्थन करते थे।

(b) उनका कथन था कि 'पृथ्वी मनुष्य

Copyright – Drishti The Vision Foundation

को तर्कों/बदलावों की प्रेरणा जकती है किन्तु महत्वाकांक्षा को नहीं। गांधी ऐसा कहकर वे प्रकृति के कल्याण की बात करते हैं।

(c) गांधीजी मानते थे कि दुश्मनी बुरे व्यक्ति से नहीं बुराई से करो, इसलिए उन्होंने अंग्रेजों को नहीं बल्कि साम्राज्यवादी शासन को विरोधी माना।

(d) गाँधीजी की मूल मान्यता थी कि प्रत्येक बुरे से बुरे व्यक्ति में अच्छाई निहित होती है, जिसको हृदय परिवर्तन कर बेहतर बनाया जा सकता है।

स्पष्ट है कि गाँधीजी ऐसे विचारक हैं जो सभी अस्मिताओं से ऊपर मानव कल्याण को मानते हैं जो उनके विचारों से स्पष्ट होता है।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.75	1.5	1.5	0.75	0.75	1.75	✓
Grade	B	C	C	C	B	B	

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

20. "अंग्रेजों द्वारा किये गए समाज सुधार का मुख्य उद्देश्य सामाजिक कुरीतियों को दूर करना तथा महिलाओं के हितों के लिये त्याग की भावना जगाना था।" आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये। 12.5

"Social reforms, initiated by the British were aimed to eradicate social evils and arouse a sense of sacrifice for the interests of women." Critically evaluate. 12.5

(उत्तर) 1813 के बाद से अंग्रेजों ने भारतीय समाज में सक्रिय हस्तक्षेप की नीति अपनाई और उन्होंने सती प्रथा अधिनियम, बाल हत्या पर प्रतिबंध, विधवा विवाह अधिनियम, दास प्रथा पर रोक अधिनियम, शारदा अधिनियम, ब्रह्म विवाह अधिनियम, वुड डिस्पैच के जरिये महिला शिक्षा को प्रोत्साहन जैसे प्रयासों के जरिये कुरीतियों को हटाने के प्रयास किए।

किन्तु इन सुधारों के पीछे मूल कारण थे -

① भारतीय मध्यवर्ग का ऐसा वर्ग तैयार करना जो अंग्रेजी राज को वैध

नेटिव मैरिज अधिनियम, 1833 में दास प्रथा की समाप्ति जैसे प्रयासों का उल्लेख भी कीजिए

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

ठहराये और उनके माल का उपभोक्ता बनें।

(2) श्वेत नस्ल के भार सिद्धांत को जायज ठहराने के लिए

(3) राष्ट्रवादियों की स्वतंत्रता चेतना की भावना को समाप्त करने के लिए

(4) लगातार सुधारों की माँग कर रहे सुधारकों के दबाव के कारण

स्पष्ट है कि अंग्रेजों का मूल उद्देश्य समाज सुधार नहीं था, वे वहीं तक सुधारों के लिए तैयार थे जहाँ तक उनका हित प्रभावित न होता। 1857 के बाद उन्होंने सुधारों को रोक दिया, और इस बात की पुष्टि करता है। 1857 के बाद के सुधार राष्ट्रवादियों के दबाव के चलते हुए न कि

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अंग्रेजी सरकार की कृपा से। ~~साथ~~ समाज सुधारकों
मुख्य कार्य सामाजिक-धार्मिक सुधार
आंदोलन के हुआ।

4

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1.5	1.5	0.25	0.25	0.25	✓
Grade	B	C	C	C	B	B	

Feedback

Questions ....

Model Answer & Answer Structure ....

Evaluation ....

Staff ....

Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

Copyright – Drishti The Vision Foundation